# कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369


# मौसम आधारित कृषि परामर्श

**भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान**

| मौसम कारक | 28-02-2024 | 29-02-2024 | 01-03-2024 | 02-03-2024 | 03-03-2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 |
| अधिकतम तापमान (से.) | 28.0 | 28.0 | 29.0 | 29.0 | 30.0 |
| न्यूनतम तापमान (से.) | 14.0 | 14.0 | 15.0 | 16.0 | 17.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 90 | 90 | 85 | 85 | 90 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 35 | 35 | 40 |
| हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा) | 8 | 8 | 7 | 7 | 8 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 280 | 110 | 10 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 3 | 3 | 4 | 4 | 3 |

**मौसम सारांश / चेतावनी :**

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 28 फरवरी – 3 मार्च के दौरान आसमान में मध्यम बादल छाए रहेंगे एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 1–2 डिग्री संटाग्रेड बृद्धि की संभावना है एवं अधिकतम तापमान लगभग 28–30 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 14–17 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 85–90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35–40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- 27–29 फरवरी के मध्य 7–8 किमी/घंटा की रफतार से पछिया एवं इसके बाद पूरबा हवा चल सकती है।

**सामान्य सलाह :**

मौसम शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए तैयार सरसों को कटनी तथा दौनी एवं आलू की खुदाई कर सुखाने के बाद सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें।

**लघु संदेश सलाह :**

आगामी दिनों में बढते तापमान की संभावना को देखते हुए अगात बोयी गई गेहूँ की दाना बनने से दूध भरने की अवस्था वाली फसल में प्र्याप्त नमी का विशेष ध्यान रखें।

**फसल विशिष्ट सलाह :**

| | |
|---|---|
| मूँग | गरमा मूँग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जिन कृषक का खेत बुआई के लिए तैयार है वे बुआई कर सकते हैं। बंआई के पूर्व 20 किलो ग्राम नेत्रजन 45 किलोग्राम स्फूर 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूँग के लिए पूसा विशाल, सम्राट एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत |

| | |
|---|---|
| | उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बंआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दीन पूर्व बीज को बार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों के लिए 30–35 किलोगाम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30x10 से0मी0 रखें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह :**

| | |
|---|---|
| केला | केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काट कर खेत से अलग करें जिससे रोग की उग्रता में कमी आयेगी। हल्की गुड़ाई करने के बाद प्रति केला 200 ग्राम यूरिया 200 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग करें। |
| भिंण्डी | गरमा सब्जियो की बुंआई करें भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार,, के0एस0–312 लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, सूसा समर पौलिफिक राउंड प्रभेद अनुशंषि हैं। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाहः**

| | |
|---|---|
| गाय | ठण्ड का मौसम समाप्त होने से गायों एवं बछियों की गर्मी (मद) में आने का समय है। उनके सफल गर्भाधान के लिए पर्याप्त हरा चारा सहित संतुलित आहार एवं 50 ग्राम मिनिरल मिक्सचर प्रति दिन दें। खुरपका–मुहपका रोग का टीका लगवाएं। जिन पशुओं को जुलाई अगस्त में टीका लगा है उन्हें भी पुनः टीका लगवाएं। टीका लगवाने से पूर्व अतः एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा आवश्य पिलायें। |

**अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह :**

| | |
|---|---|
| भूमि की तैयारी | सब्जियों में निकाई गुड़ाई करें। गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छि प्रकार बिखेर कर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर प्रयोग करें। |